नईदुनिया

गर्मी के मौसम में एसी की बिक्री गिरी ठंडे पेय और आइसक्रीम की धूम, बेमौसम बारिश और महंगाई ने एसी उद्योग को झटका दिया

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की बिक्री ने एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। जहां उम्मीद के विपरीत एयर कंडीशनर (एसी) की मांग कमजोर रही, वहीं ठंडे पेय, आइसक्रीम और डेयरी उत्पादों ने शानदार वृद्धि दर्ज की। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव ने उपभोक्ताओं की खर्च करने की आदतों को प्रभावित किया, जिससे गर्मी से राहत देने वाले उत्पादों की बिक्री में विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, जून में देश के कई हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश, आंधी और शाम के समय कम तापमान ने एसी की बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव डाला। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि जून में, खासकर उत्तर भारत में, एसी की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव के अलावा, पिछले कुछ वर्षों में एसी की कीमतों में 18 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि ने भी उपभोक्ताओं को एयर कूलर और पंखों जैसे सस्ते विकल्पों की ओर धकेल दिया है। हालांकि, कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में एसी उद्योग के कारोबार के मूल्य में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और ऊंची कीमतें हैं। इसके उलट, पेय पदार्थ और डेयरी कंपनियों ने इस गर्मी में जोरदार मांग दर्ज की। कोका-कोला भारत के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी को पूरे गर्मी के मौसम में अच्छी मांग मिली, जिसमें छोटे पैक, क्विक कामर्स और चलते-फिरते उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति ने प्रमुख भूमिका निभाई। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने घोषणा की कि जून तिमाही में उनके ताजा डेयरी उत्पादों और आइसक्रीम कारोबार की बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिकारी की वृद्धि हुई है।

आइसक्रीम, दही और डेयरी पेय की मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी। हैवमोर आइसक्रीम के ण्क अप्रबंध निदेशक देबब्रत मुखर्जी ने त्वरित उपभोग वाले उत्पादों जैसे कोन, स्टिक और सिंगल-सर्व कप की बढ़ती मांग पर जोर दिया, जिसे फटाफट सामान पहुंचाने वाले मंचों से बल मिला। वहीं, डीएस ग्रुप के अधिकारी ने बताया कि रायता मसाला, छाछ मसाला और जलजीरा जैसे पारंपरिक भारतीय पेय पदार्थों की मांग में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जो दर्शाता है कि पारंपरिक स्वाद भी शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में उपभोक्ताओं की पहली पसंद हैं।

न्यूज ब्रीफ

आपरेटिंग सिस्टम हाइपरओएस 4 शीघ्र होगा पेश

नई दिल्ली। चाइनीकी कंपनी शाओमी ने अपने अपकमिंग आपरेटिंग सिस्टम, हाइपरओएस 4 के जल्द लान्च होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, शाओमी ने अभी तक उन डिवाइस की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है जिन्हें यह अपडेट मिलेगा, लेकिन कई रिपोर्ट्स में शाओमी, रेडमी और पोको स्मार्टफोन व टैबलेट के नाम सामने आए हैं। एंड्रायड 17 पर आधारित यह नया ओएस बेहतर परफार्मेंस, नया इंटरफेस, एआई फीचर्स और मजबूत प्राइवेसी टूल्स के साथ आएगा, जिससे यूजर्स को एक बेहतरीन अनुभव मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक, हाइपरओएस 4 को सबसे पहले चीन में जुलाई से अगस्त 2026 के बीच पेश किया जाएगा, जिसके कुछ हफ्तों बाद इसके वैश्विक ऐलान की उम्मीद है। माना जा रहा है कि स्टेबल अपडेट से पहले शाओमी बीटा प्रोग्राम भी शुरू कर सकती है और शाओमी 17 सीरीज तथा रेडमी के90 सीरीज सबसे पहले बीटा अपडेट पाने वाले डिवाइस हो सकते हैं। यदि कंपनी अपने पुराने अपडेट शेड्यूल पर कायम रहती है, तो वैश्विक यूजर्स के लिए हाइपरओएस 4 की रोलआउट प्रक्रिया अक्टूबर 2026 के आसपास शुरू हो सकती है। मौजूदा साफ्टवेयर अपडेट पालिसी के आधार पर शाओमी 15 सीरीज, शाओमी 15 अल्ट्रा, शाओमी 14 सीरीज, रेडमी नोट 15 सीरीज, रेडमी नोट 14 प्रो सीरीज, पोको एफ7 सीरीज, पोको एक्स7 सीरीज और पोको एक्स6 प्रो जैसे कई डिवाइस को यह अपडेट मिलने की संभावना है। कुछ रेडमी टैबलेट और पोको डिवाइस को भी यह अपडेट मिलने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में पूंजी का नया अध्याय, उद्योग को संपत्ति वर्ग बनाने की पहल

मुंबई। लगभग 22,000 करोड़ रुपये का भारतीय फिल्म कारोबार एक महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां अब एक नई तरह की पूंजी का प्रवाह देखा जा रहा है। यह पारंपरिक निजी इक्विटी फंड या रणनीतिक निवेश से अलग है; यह उन फंडों का शुद्ध वित्तीय निवेश है जो धनाढ्य निवेशकों (एचएनआई) या संस्थानों से पैसे जुटाते हैं, जिनकी भारतीय सिनेमा में शेयर बाजार की तरह ही निवेश करने में रुचि है। इस नई पहल का मुख्य लक्ष्य भारतीय फिल्मों को एक नवीन संपत्ति वर्ग के रूप में स्थापित करना है, कुछ हद तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के माडल पर। फिल्मनी ग्लोबल और सिनेनाउ जैसे दो फंड इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जो उद्योग में स्थायी व्यावसायिक माडल विकसित करने की क्षमता रखते हैं। पूंजी की कमी और नए अवसर: भारतीय फिल्म उद्योग में लंबे समय से पूंजी की कमी एक चुनौती रही है। एबर्डेटिया एंटरटेनमेंट के संस्थापक का कहना है कि हमारे उद्योग में जरूरत के हिसाब से बहुत कम पूंजी उपलब्ध है। निर्माता आमतौर पर स्ट्रीमिंग और टेलीविजन कंपनियों या फिल्म वितरकों जैसे खरीदारों से पूंजी जुटाते हैं, जो कि फाइनैंसिंग का उनका प्राथमिक काम नहीं है। यह स्थिति अक्सर हिट पर आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है, जिससे व्यवसाय में अस्थिरता बनी रहती है।

जेप्टो का महा-दांव: स्टैनफोर्ड ड्रापआउट्स से क्विक-कामर्स किंग तक का सफर

बेंगलुरु। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के दो युवा ड्रापआउट्स द्वारा स्थापित, क्विक-कामर्स दिग्गज

जेप्टो, लगभग 8,010 करोड़ रुपये के नए शेयरों के साथ देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास हाल ही में जमा किए गए मसौदा दस्तावेजों में एक वेयरहाउस-सह-प्रयोगशाला की झलक मिलती है, जहां अत्याधुनिक तकनीक भारत के तेज-तर्रार डिलीवरी माडल के भविष्य को आकार दे रही है। बेंगलुरु के बाहर स्थित, पांच फुटबाल मैदान के आकार का यह विशाल वेयरहाउस जेप्टो के संचालन का केंद्र है। यहां 23 वर्षीय सह-संस्थापक और अध्यक्ष (तकनीक और उत्पाद) कैवल्य वोहरा, बारकोड रीडर के साथ अरहर दाल के पैकेट स्कैन करते हुए दिखते हैं। उनके आसपास, रोबोट और इंसान सामंजस्य बिठाकर काम करते हैं - स्वचालित मशीनें आलू और प्याज की छंटाई करती हैं, जबकि आयातित उपकरण सेब के कुरकुरेपन और संतरों के चीनी अंश का परीक्षण करते हैं। पुट टु लाइट' स्टेशन पिकर्स को डिलीवरी ट्रकों तक आइटम ले जाने का निर्देश देते हैं, जो इस इकाई को एक लैब का रूप देते हैं जहां क्विक-कामर्स की गति निर्धारित होती है। वोहरा ने आदित पलिचा के साथ मिलकर जेप्टो की स्थापना तब की थी जब वे दोनों किशोर थे।

टाप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

कच्चे तेल सस्ता होने से और एफआईआईएस की खरीदारी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइस आईसीआईसीआई बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा।

एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकाम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक आफ इंडिया ने भी क्रमश: 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा।

भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर (बाजार पूंजीकरण भी क्रमश: 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा ।टाप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी ।

ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर कर रही काम

नई दिल्ली

दिग्गज टेक कंपनी ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर काम कर रही है, जिसे स्प्रिंग 2027 में स्टैंडर्ड आईफोन 18 के साथ लान्च किया जा सकता है। ऐपल इस बार उन दो बड़ी कमियों को दूर कर सकता है, जिनकी शिकायत पहले आईफोन एयर यूजर्स ने सबसे ज्यादा की थी - कैमरा और बैटरी लाइफ। मौजूदा आईफोन एयर में सिर्फ एक रियर कैमरा मिलता है, जिससे कई यूजर्स को मल्टीपल कैमरा आप्शन की कमी महसूस हुई थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल नए आईफोन एयर 2 में अल्ट्रावाइड कैमरा जोड़ सकता है, यानी फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। इससे यूजर्स प्रो माडल खरीदे बिना भी आसानी से लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और वाइड एंगल शाट्स ले सकेंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि ऐपल पहले ही डुअल कैमरा वाले कुछ प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर चुका है, हालांकि फोन का ओवरआल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। ऐपल इस बार बैटरी पर भी खास ध्यान दे सकता है। अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन की वजह से बड़े बैटरी पैक के लिए जगह कम होती है, जिससे पहले माडल की बैटरी को लेकर कुछ सवाल उठे थे। लीक्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 में या तो बड़ी बैटरी दी जा सकती है या फिर कंपनी बेहतर पावर एफिशिएंसी पर काम करेगी। इसके लिए फोन में नया ए20 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे नए मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर बनाया जा सकता है, जिससे बैटरी बैकअप और पावर मैनेजमेंट पहले से बेहतर होने की उम्मीद है। अगर आपको मौजूदा आईफोन एयर का पतला और हल्का डिजाइन पसंद आया है, तो अच्छी खबर है क्योंकि रिपोर्ट्स बताती हैं कि ऐपल डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा। कंपनी मौजूदा डिजाइन को और बेहतर बनाने पर फोकस कर रही है और पहले माडल की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। आईफोन एयर सीरीज उन लोगों के लिए बनाई गई है जो प्रो माडल जितनी कीमत खर्च किए बिना हल्का और प्रीमियम आईफोन चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 इस बार ऐपल के पारंपरिक सितंबर लान्च इवेंट का हिस्सा नहीं होगा। कहा जा रहा है कि कंपनी आईफोन लान्च को दो चरणों में बांट सकती है। पहले चरण में आईफोन 18 प्रो, आईफोन 18 प्रो मैक्स और ऐपल का पहला फोल्डेबल आईफोन 2026 के आखिर में लान्च हो सकते हैं।

ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटने के बाद बिचौलिए भारत को दे रहे सस्ते तेल का आफर

नई दिल्लीप। अमेरिका से प्रतिबंधों में ढील के बाद कई बिचौलिए भारत को सस्तार तेल बेचने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटा दिया है, जिसके बाद तमाम बिचौलियों ने भारत को सस्ताा ईरानी तेल खरीदने का आफर दिया है। इस डील में भारत को सामान्यो क्रूड की कीमत के मुकाबले करीब 3 से 4 डालर प्रति बैरल की बचत हो सकती है। भारतीय रिफाइनरी सूत्रों का कहना है कि कई बिचौलिए ईरानी तेल छूट पर बेचने की पेशकश कर रहे हैं, क्योंकि तेहरान वाशिंगटन की अस्थायी प्रतिबंध छूट के बाद बिक्री तेज करना चाहता है। भारतीय रिफाइनरियों से संपर्क सीधे नेशनल ईरानी आयल कंपनी (एनआईओसी) और बिचौलियों के जरिए हुआ है, जिन्होंने कहा है कि उन्हें ईरानी राज्य उत्पादक से तेल मिला है। एक रिफाइनिंग सूत्र ने बताया कि एनआईओसी के अलावा कई व्यापारी हमसे ईरानी तेल बेचने के लिए संपर्क कर रहे हैं, लेकिन मेरी प्राथमिकता एनआईओसी को मौका देना है। सूत्रों का कहना है कि एनआईओसी भारतीय खरीदारों को बता रहा है कि ईरानी कच्चा तेल अन्यस क्षेत्रीय ग्रेड की तुलना में 3 से 4 डालर प्रति बैरल सस्ता होगा। रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी ज्यादातर सिंगापुर और दुबई की छोटी और मध्यम ट्रेडिंग कंपनियों से हैं।

ईवी बाज़ार में बदलाव: टाटा मोटर्स 2031 तक 14 नए माडल लाकर बढ़ाएगा अपनी पकड़

कंपनी का लक्ष्य 2030-31 तक ईवी पहुंच को 30 फीसदी से अधिक करना

नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार के अर्ली अडाप्टर्स चरण से आगे बढ़ने के साथ ही, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए कमर कस रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक चार बिल्कुल नए ईवी उत्पाद और 10 से अधिक उन्नत संस्करण वाले माडल पेश करने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी को मजबूत करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में, कंपनी ने बताया कि भारतीय ईवी बाजार अब अर्ली अडाप्टर्स से अर्ली मेजारिटी ग्राहकों की ओर बढ़ गया है। ये वे ग्राहक हैं जिन्हें किसी भी नई तकनीक को अपनाने से पहले सफल केस स्टडीज देखने की आवश्यकता होती है। इस बदलाव को भुनाने के लिए, टाटा मोटर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030-31 तक अपने इलेक्ट्रिक वाहन खंड में 30 प्रतिशत से अधिक की बाजार पहुंच हासिल करना है। कंपनी ने कहा कि

वह अर्ली और लेट मेजारिटी ग्राहकों के बीच ईवी को बढ़ावा देने के लिए अपने उत्पादों को लगातार बेहतर बनाएगी। वर्तमान में, अर्ली अडाप्टर्स की हिस्सेदारी 13.5 प्रतिशत है, जबकि अर्ली मेजारिटी और लेट मेजारिटी दोनों की हिस्सेदारी 34-34 प्रतिशत है, जो बाजार के बड़े हिस्से को दर्शाते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, टाटा मोटर्स 2030-31 तक कुल 10 ईवी गाड़ियों का मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करेगा। इसमें चार नए उत्पाद शामिल होंगे, जिनमें सिएरा.ईवी, इसके अविन्या कान्सेप्ट पर आधारित एक उत्पाद, और दो अन्य माडल शामिल हैं। वर्तमान में, कंपनी के पोर्टफोलियो में एक्सप्रेस-टी, कर्व.ईवी, हैरियर ईवी, नेक्सान ईवी, पंच ईवी और टियागो ईवी जैसे माडल शामिल हैं। तकनीकी मोर्चे पर भी कंपनी लगातार नवाचार कर रही है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी ईवी श्रृंखला की रेंज को दो से तीन गुना और तेज चार्जिंग क्षमता को तीन गुना बढ़ाने पर भी काम कर रही है। साथ ही, बैटरी की ऊर्जा गहनता को 20-23 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, जिससे ग्राहकों को बेहतर प्रदर्शन, लंबी रेंज और अधिक सुविधा मिल सके।

विदेशी बाजारों से घरेलू तेल-तिलहन में मामूली सुधार, किसानों को मिल रहा बेहतर दाम

अंतर्राष्ट्रीय मजबूती के बावजूद घरेलू मांग कमजोर, लेकिन सोयाबीन-सरसों किसानों को मिला बेहतर मूल्य

नई दिल्ली

बीते सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खाद्य तेलों की मजबूती का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजारों पर भी देखा गया, जहाँ कीमतों में मामूली सुधार दर्ज हुआ। सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के दाम बढ़ गए। हालाँकि, घरेलू हाजिर कारोबार में कमजोर मांग के चलते यह तेजी सीमित रही। बाजार सूत्रों ने बताया कि ऊंचे दामों के कारण सरसों की मांग सुस्त है। वहीं सोयाबीन किसानों को पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से बेहतर दाम मिले हैं, जिससे वे

ऊंची कीमतों पर ही उपज बेच रहे हैं, परिणामस्वरूप सोयाबीन तिलहन में मजबूती आई। मूंगफली तेल के थोक दाम सस्ते होने से इसकी मांग बढ़ी। बिनौला की आपूर्ति बेहद कम होने से इसके तेल में भी सुधार आया, जिसकी कमी पामोलीन पूरी कर रहा है। हालांकि, आयातक अभी भी आयात लागत से नीचे भाव पर तेल बेचकर नुकसान उठा रहे हैं। इस बीच, कई वर्षों बाद सोयाबीन और सरसों के बेहतर दाम मिलने से किसानों का उत्साह बढ़ा है। यह स्थिति भविष्य में तेल-तिलहन के उत्पादन में वृद्धि कर सकती है, जिससे देश में खाद्य तेलों के दाम स्थिर होंगे, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार बढ़ेंगे और आयातित तेलों पर भारत की निर्भरता भी कम हो सकेगी।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 7,575-7,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,575 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश: 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 100-100 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 7,100-7,150 रुपये और 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 25 रुपये के सुधार के साथ 15,475 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 25 रुपये के सुधार के साथ 15,425 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मांग रहने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 6,675-7,250 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 25 रुपये के सुधार के साथ 15,575 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल पांच रुपये के सुधार के साथ 2,485-2,785 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।